छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

उ. पु. 40 पृष्ठ

परीक्षार्थी हेतु

2019

प्रश्न पत्र सेट A, B, C लिखें | B

पृष्ठ 2 पर दिए गए निर्देश को आवश्यक रूप से पढ़ें।

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकंडरी परीक्षा

1. विषय कोड | 1 | 3 | 0 | 2. विषय का नाम राजनीति विज्ञान

परीक्षा केन्द्र क्र. 34017 उ. पु. सरल क्र. : 3729095

अनुक्रमांक (अंकों में)	2	1	9	3	4	0	6	3	9	8
अनुक्रमांक (शब्दों में)	दो	एक	नौ	तीन	चार	शून्य	छः	तीन	नौ	आठ

परीक्षार्थी हस्ताक्षर

प्रमाणीकरण

1. छात्र का अनुक्रमांक, प्रश्न पत्र सेट कोड, माध्यम, विषय कोड, विषय के नाम की जाँच की गयी, सही पायी गई।

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

Pls – Bandhury

प्राप्तांक को गोल घेरा करें

प्रश्न संख्या	प्राप्तांक	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक
1	15 15 15	11	3 3 3	21	4 4 4
2	2 2 2	12	3 3 3	22	5 5 5
3	2 2 2	13	3 3 3	23	5 5 5
4	2 2 2	14	3 3 3	24	5 5 5
5	2 2 2	15	3 3 3	25	6 6 6
6	2 2 2	16	4 4 4	26	6 6 6
7	2 2 2	17	4 4 4	27	
8	2 2 2	18	4 4 4	28	
9	2 2 2	19	4 4 4	29	
10	3 3 3	20	4 4 4	30	

00	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
	91	92	93	94	95	96	97	98	99	(100)

कुल प्राप्तांक अंकों में | 1 | 0 | 0 | शब्दों में सौ

100 सौ

11010117 11011353

हस्ताक्षर परीक्षक हस्ताक्षर उपमुख्य परीक्षक हस्ताक्षर मुख्य परीक्षक

परीक्षक क्रमांक 11010908 क्रमांक 11010649 क्रमांक

② परीक्षार्थी के लिये निर्देश

1. परीक्षार्थी को 40 पृष्ठ की उत्तरपुस्तिका दी गयी है जिसमें से 38 पृष्ठ छात्रों के लिखने हेतु उपलब्ध रहेंगें। इसी उत्तरपुस्तिका में छात्रों को पूरा प्रश्नपत्र हल करना है। इसके अतिरिक्त अलग से पूरक उत्तरपुस्तिका नहीं दी जायेगी।
2. प्रश्नों को हल करते समय प्रश्न कमांक अंकित करके उत्तर लिखें, प्रश्न लिखना आवश्यक नहीं है। इससे परीक्षार्थी के समय की बचत होगी।
3. परीक्षार्थी अपना रोल नम्बर, विषय कोड, विषय का नाम प्रवेश पत्र से देखकर तथा प्रश्न पत्र सेट प्रश्न पत्र से देखकर एवं माध्यम, दिनांक उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्धारित स्थान पर आवश्यक रूप से अंकित करें।
4. रोल नम्बर सामने दिये उदाहरण अनुसार लिखा जावे:–

1	3	2	4	7	9	5	6	0	1
एक	तीन	दो	चार	सात	नौ	पांच	छः	शून्य	एक

5. उत्तरपुस्तिका के पृष्ठों के दोनों ओर लिखें। बीच में स्थान न छोड़ें। भूल से छूटे हुए पृष्ठ या रिक्त स्थान अथवा अंत में बिना लिखे हुए सभी पृष्ठों को कास (Cross X) कर देंवे।
6. उत्तरपुस्तिका के ऊपर/अंदर तथा किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा परीक्षार्थी अपना नाम, पता, फोन नम्बर अथवा अन्य कोई जानकारी जिससे छात्र की पहचान हो सके, अंकित न करें।
7. यदि रफ कार्य हेतु आपको दी गई उत्तरपुस्तिका पर्याप्त है तो उत्तरपुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर रफ कार्य अंकित करके रफ कार्य करें तथा तिरछी रेखा से काट दें। यदि यह उत्तरपुस्तिका पर्याप्त नहीं है तो रफ कार्य हेतु अलग से उत्तरपुस्तिका पर्यवेक्षक से मांगें।
8. परीक्षा केन्द्र पर पुस्तक, लेख, कागज, कैलकुलेटर, मोबाईल, पेजर, किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रानिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि नहीं ले जायें।
9. स्कूल यूनिफार्म, स्केल, कम्पास बॉक्स अथवा अन्य किसी प्रकार से नकल सामग्री लिखकर नहीं लाये। टेबल के आस–पास कोई अवांछनीय सामग्री नहीं होनी चाहिए। नकल करना छत्तीसगढ़ सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम 2008 के तहत दण्डनीय अपराध है।
10. अपनी उत्तरपुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र/रफ कार्य पुस्तिका आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है। अतः परीक्षा समाप्ति पश्चात उत्तरपुस्तिका एवं रफ कार्य पुस्तिका पर्यवेक्षक को सौंपकर परीक्षा कक्ष छोड़ें।
11. निर्देश कमांक 8, 9 एवं 10 का पालन नहीं करने पर अनुचित साधनों के उपयोग के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

मूल्यांकनकर्ताओं के लिये निर्देश

1. मूल्यांकनकर्ता उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन लाल स्याही से करेंगे।
2. प्रत्येक पृष्ठ के प्राप्तांक को जोड़कर मूल्यांकनकर्ता अंकों का प्रोग्रेसिव निर्धारित स्थान में लिखना न भूलें एवं जो पृष्ठ कोरे हैं उसे तिरछी लाईन से काट दें तथा उत्तरपुस्तिका के अंतिम पृष्ठ में कुल प्राप्तांक/पूर्णांक लिखना आवश्यक है।
3. मूल्यांकनकर्ता अंकों के योग को मुख्य पृष्ठ पर शून्य से सौ तक दिये गये टेबल में गोल घेरा करें तथा कुल प्राप्तांकों को शब्दों में भी योग लिखें।
4. मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का मूल्याकंन किया है। उत्तरपुस्तिका के अन्दर के अंक एवं बाहर दर्शाये गये अंक समान हैं एवं योग भी समान है जिसका प्रमाणीकरण मेरे द्वारा मुख्य पृष्ठ पर किया गया है।

www.sbpdiscuss.in

3

8 = 8

पृष्ठ 3 के अंक 8 | कुल अंक 8

उत्तर क्रमांक - [01]

(खण्ड - अ)

(i) :- (स) 61 वें

(ii) :- (अ) 27 प्रतिशत

(iii) :- (स) सातवाँ

(iv) :- (ब) गुटनिरपेक्षता

(v) :- (ब) भारत - बांग्लादेश

उत्तर क्रमांक - [01]

(खण्ड - ब)

(i) - मुख्य निर्वाचन आयुक्त

(ii) - अन्य पिछड़ा वर्ग

(iii) - संयुक्त राज्य अमेरिका

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

4 | 8 + 7 = 15
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 4 के अंक | कुल अंक

(iv) सन् 1985 ✓ 1

(v) हेग ✓ 1

2

उत्तर क्रमांक - (1)

(खण्ड - स)

(i) - सत्य ✓ 1

(ii) - असत्य ✓ 1

(iii) - सत्य ✓ 1

(iv) - असत्य ✓ 1

(v) - सत्य ✓ 1

5

उत्तर क्रमांक - [2]

लोकतंत्रीय शासन में जनता को एक निश्चित अवधि के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार है। प्रतिनिधि चुनने के अधिकार को

CGBSE
www.studydiscuss.in

5

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 5 के अंक		कुल अंक
15	+	6	=	21

ही मताधिकार कहा जाता है।

उत्तर क्रमांक - [3]

सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लोगों के कल्याण के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया गया है। 1 जनवरी सन 1979 में श्री बी.पी. मण्डल की अध्यक्षता में मण्डल आयोग या पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर श्री आर. एन. प्रसाद की अध्यक्षता में पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया गया है। यह आयोग इस वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए कार्य करता है।

उत्तर क्रमांक - [4]

मानवाधिकार :-

मानव अधिकार मानव के वे अधिकार है जो राज्य के निरंकुश रूप से नागरिकों की रक्षा करता है तथा मानव के सर्वांगीण विकास में सहायक होते है।

CGBSE
www.studydiscuss.in

6

2019

योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 6 के अंक	कुल अंक
21	4	25

[उत्तर क्रमांक -[5]]

गरीबी रेखा :-

गरीबी रेखा से तात्पर्य जीवन स्तर की न्यूनतम सीमा से है। यह न्यूनतम सीमा ग्रामीण क्षेत्रो मे प्रति व्यक्ति 2400 कैलोरी तथा शहरी क्षेत्रो मे प्रति व्यक्ति 2100 कैलोरी प्रतिदिन ऊर्जा प्राप्त करना है। इस सीमा कैलोरी से कम ऊर्जा प्राप्त करने वाला व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे आता है।

2

उत्तर क्रमांक -[6]

शांतिपूर्ण सहअस्तित्व :-

शांतिपूर्ण सहअस्तित्व अर्थात विश्व के सभी देशो को स्वतंत्रतापूर्वक अपनी आंतरिक व बाह्य नीति को बनाए रखने का अधिकार है तथा सभी को अपने आदर्शो के अनुसार जीवन व्यतीत करने का अधिकार है।

2

CGBSE

www.STUDYDESK.IN

7

25	4	29
योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 7 के अंक	कुल अंक
25	4	29

उत्तर क्रमांक -[7]

गुटनिरपेक्षता से तात्पर्य विश्व के किसी भी शक्ति गुट मे सम्मिलित न होकर सत्य व इसत्य का तटस्थापूर्वक समर्थन एवं अपने स्वतंत्र विदेश नीति का निर्धारण करना ही गुटनिरपेक्षता कहलाता है।

2

उत्तर क्रमांक -[8]

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के दो कारण :-

1) प्रथम व द्वितीय विश्व युद्द के विनाश से सभी देश तंग आ चुके थे अतः इस प्रकार के युद्द को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गई।

2) राष्ट्र संघ अपने अंतर्निहित कमजोरियो के कारण द्वितीय विश्व युद्द को नही रोक पाया। अतः पुरानी गलतियो को सुधारते हुए अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता महसूस की गई इस कारण संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।

2

2

CGBSE

8

29 + 5 = 34

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 8 के अंक | कुल अंक

उत्तर क्रमांक [9]

भारत-चीन के बीच सीमा रेखा को मैकमोहन रेखा कहते हैं।

उत्तर क्रमांक -[10]

अनुसूचित जाति एवं जनजातियों की प्रमुख तीन समस्याएँ निम्नलिखित हैं:-

1) अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है।

2) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों में उचित शिक्षा का अभाव है।

3) समाज में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की स्थिति अच्छी नहीं है।

4) ये जातियाँ तथा जनजातियाँ आधुनिकता के लाभ से वंचित हैं।

CGBSE
www.studydiscuss.in

9

34 + 3 = 37

योग पूर्व पृष्ठ 37 | पृष्ठ 9 के अंक 3 | कुल अंक 37

उत्तर क्रमांक -[11]

गुप्त मतदान प्रणाली की तीन विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:-

1) गुप्त मतदान प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमे किसी भी व्यक्ति को यह पता नही चलता कि अमुक मतदाता ने किस प्रत्याशी को मत दिया है अतः इसमे भेद भाव की भावना नहीं रहती है।

2) इस प्रणाली मे मतदाता स्वतंत्र व निर्भीक होकर अपने मत का प्रयोग करता है।

3) गुप्त मतदान प्रणाली से मतदाताओ की स्वतंत्रता के अधिकारो की रक्षा होती है।

4) इस प्रणाली में प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय के मतदान करते जाते है।

CGBSE

www.STUDYDISCUSS.IN

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 10 के अंक		कुल अंक
37	+	3	=	40

उत्तर क्रमांक - [12]

गुट निरपेक्ष आंदोलन की प्रमुख उपलब्धियाँ निम्न लिखित है।

1) अंतर्राष्ट्रीय जगत मे तृतीय शक्ति के रुप मे गुट निरपेक्ष देश उभरा। इससे तृतीय विश्व युद्द की सम्भावनाओ का अंत हुआ।

2) निःशस्त्रीकरण के दिशा मे गुटनिरपेक्ष आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

3) अविकासित राष्ट्रो के मध्य आर्थिक सहयोग एवं विकास के क्षेत्र में गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया।

4) नवोदित राष्ट्रो को महाशक्तियो के जाल से बचाकर स्वतंत्र विदेश नीति के निर्धारण का मार्ग प्रशस्त किया।

3

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

11 2019

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 11 के अंक		कुल अंक
40	+	3	=	43

उत्तर क्रमांक -(13)

संयुक्त राष्ट्र संघ के निम्नलिखित सिद्धांत हैं:-

1) संघ के सभी सदस्य राष्ट्र प्रभुत्व सम्पन्न एवं ~~सामान~~ समान हैं।

2) संघ के सभी सदस्य राष्ट्र संघ के घोषणा पत्र मे वर्णित अपने कर्तव्यो व दायित्वो का निर्वाह निष्ठापूर्वक एवं पूरी ईमानदारी से करेंगे।

3) संघ के सभी सदस्य राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय समस्याओ का समाधान शांतिपूर्ण ढंग से करेंगे।

4) संघ का कोई भी सदस्य राष्ट्र किसी भी देश के आंतरिक मामलो में हस्तक्षेप नही करेंगे।

3

CGBSE

www.STUDYDISCUSS.in

12 | 43 + 3 = 46
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 12 के अंक | कुल अंक
43 | 3 | 46

3

3

CGBSE

उत्तर क्रमांक -[14]

नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा सन् 1996 में भारत की यात्रा पर आए। उनकी इस यात्रा के दौरान निम्नलिखित संधि की गई:-

1) महाकाली नदी समझौता सम्पन्न हुआ।

2) इस समझौता को 20 सितम्बर सन् 1996 में नेपाल के संसद ने दो तिहाई बहुमत से पारित कर दिया।

3) सन् 1996 की संधि से भारत-नेपाल आर्थिक संबंधों में सुधार हुआ तथा भारत-नेपाल के मध्य आर्थिक क्षेत्र में नवीन युग का शुरुआत हुआ।

उत्तर क्रमांक - [15]

उदारीकरण :-

उदारीकरण का अर्थ व्यापार हेतु कानूनी नियंत्रणों में ढील देते हुए आयात-निर्यात को सरल बनाने से होता है। जब सरकार

WWW.STUDYDISCUSS.IN

13

46	+	7	=	53
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ13 के अंक		कुल अंक
46		7		53

3 औद्योगिक नीति, श्रम नीति, कर नीति तथा आयात-निर्यात नीति पर लगे प्रतिबंधो मे ढील देती है या उसे कम करती है, तो इसे उदारीकरण कहते है।

3

उत्तर क्रमांक -[16]

कार्ल मार्क्स ने धर्म का विरोध किया है। मार्क्स धर्म को अफीम के नशे की भाँति मानते थे। जिस प्रकार व्यक्ति अफीम के नशे मे अपने सामने की दुनिया को भूलकर स्वर्गिक सुख की कल्पना करता है, उसी प्रकार व्यक्ति धर्म के नशे मे अपने शोषण को भूलकर अपने मरने के बाद स्वर्ग की कामना करता है। नशे मे विचार-विमर्श की बुद्धि नही रहती है। इसीलिए कार्ल मार्क्स ने धर्म का विरोध किया है तथा इसे मानव जीवन का अफीम कहा है।

4

4

4

14 2019 53 + — = 53

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 14 के अंक | कुल अंक

53 — 53

उत्तर क्रमांक -[17]

भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांत निम्नलिखित है :-

1) पंचशील :-
पंचशील भारत के विदेश नीति का प्रमुख आधार एवं भारत की शांतिप्रियता का द्योतक है। यह एक नैतिक सिद्धांत है जिसका अभिप्राय है आचरण के पांच सिद्धांत। पंचशील युद्ध, शस्त्रीकरण, हिंसा, साम्राज्यवाद आदि का विरोध करता है तथा शांतिमय जीवन को श्रेष्ठ मानता है।

2) शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व :-
शांतिपूर्ण सहअस्तित्व भारत के विदेश नीति का प्रमुख आदर्श है जो यह संदेश देता है कि सभी देशो को अपने सभी प्रकार के पद्धति के आधार पर जीवन व्यतीत करने का अधिकार है अतः एक देश को दूसरे देशो के आंतरिक मामलो में हस्तक्षेप नही करना चाहिए।

3) मैत्रीपूर्ण ~~समर्थन~~ संबंध :-
विश्व के सभी देशो के साथ मैत्रीपूर्ण

संबंधो की स्थापना करना भारत की विदेश नीति का प्रमुख सिद्दांत है। अपनी इसी सिद्दांत के आधार पर भारत ने विश्व के अनेक देशो से व्यापारिक समझौते व मैत्रीपूर्ण संबंधो की स्थापना की है।

4

4) विश्व शांति :-

विश्व शांति भारतीय विदेश नीति की प्रमुख विशेषता है। अहिंसा, सहयोग एवं शांति भारतीय दर्शन के मूल सिद्दांत है जिसे भारत ने अपने विदेश नीति मे अपनाया है। भारत ने इसी सिद्दांत के आधार पर विश्व मे शांति स्थापित करने के लिए सदैव प्रयत्नशील है।

उत्तर क्रमांक - [18]

29 जुलाई 1987 को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी तथा श्रीलंका के राष्ट्रपति जेवर्धने के मध्य एक समझौता कोलम्बो मे हुआ। इसे राजीव - जेवर्धने समझौता के नाम से जाना जाता है। इस समझौता का प्रमुख शर्त (बिन्दु) निम्नलिखित है:-

1) उत्तरी - पूर्वी प्रांत से 15 अगस्त 1987 तक

CGBSE
WWW.STUDIDISCUSS.IN

16

57 + 4 = 61

योग पूर्व पृष्ठ 57 | पृष्ठ16 के अंक 4 | कुल अंक 61

आपात की स्थिति को हटाना तथा तीन महिनो के भीतर प्रांतीय प्रांतीय परिषद् का चुनाव कराना।

2) राजीव जेवधते समझौता मे यह भी निर्णय लिया गया कि श्रीलंका मे सिंहली भाषा के साथ-साथ तामिल व अंग्रेजी को भी भाषा राष्ट्र भाषा मानी जाई।

3) 48 घंटे के समय सीमा के भीतर उग्रवादी युद्ध विराम करेंगे जिसे भारत-श्रीलंका की संयुक्त सेना लागू करायेगी। अगले 72 घंटो मे उग्रवादी अपना हथियार त्याग देंगे।

4) उत्तर-पूर्वी प्रांत मे एकीकृत परिषद् की स्थापना की जाएगी। उत्तर-पूर्वी प्रांत के समझौते पर जनमत संग्रह के आधार पर निर्णय किया जाएगा। यह जनमत संग्रह एक निश्चित अवधी के बाद कराया जाएगा तथा भारतीय अधिकारियों की उपस्थिति मे किया जाएगा।

4

CGBSE
www.studiestoday.in

17

योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 17 के अंक	कुल अंक
61	—	61

CGBSE

उत्तर क्रमांक -[19]

उदारीकरण के प्रमुख नकारात्मक प्रभाव निम्नलिखित है:-

1) उदारीकरण ने विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा को जन्म दिया है। भारतीय उद्योगों एवं बहुराष्ट्रीय निगमों के बीच प्रतिस्पर्धा से भारतीय उद्योग समाप्त होते जा रहे है।

2) बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ अपने कर्मचारियों को अधिक वेतन व सुविधाएँ प्रदान कर आर्थिक असमानता को बढ़ा रहे हैं। अतः सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी भी मौका मिलते पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ की ओर भाग रहे हैं।

3) विदेशी पूँजी निवेश चुनिंदा क्षेत्रों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में ही हो रहा है। परिणामस्वरूप क्षेत्रीय असमानताएँ बढ़ रही है तथा लघु एवं कुटीर उद्योगों के अस्तित्व को खतरा उत्पन्न हो रहा है।

4) उदारीकरण के परिणामस्वरूप शहरों का विकास तीव्र गति से हो रहा है, फलतः ग्रामीण क्षेत्रों से

WWW.STUDYDISCUSS.IN

61 + 4 = 65

योग पूर्व पृष्ठ 61 | पृष्ठ 18 के अंक 4 | कुल अंक 65

4

शहरी क्षेत्रों की ओर जनसंख्या का पलायन तीव्र हो गया है, जिससे शहरी क्षेत्रों में अनेक समस्याएँ उत्पन्न होती है।

उत्तर क्रमांक - [20]

क्षेत्रीय असंतुलन के प्रमुख चार कारण निम्नलिखित है:-

1) प्राकृतिक संसाधनों में अंतर :-
प्राकृतिक असंतुलन का आधार वर्षा, जलवायु, मिट्टी, खनिज पदार्थ तथा वन सम्पदा आदि होते है। उदाहरणार्थ पंजाब के उपजाऊ भूमि के कारण वहां प्रति व्यक्ति आय का स्तर काफी उच्च है जबकि राजस्थान में मरुस्थली भाग होने के कारण वहां प्रति व्यक्ति आय निम्न है।

2) क्षेत्रीय विभिन्नताएँ एवं विषमताएँ :-
भारत में भाषा, जाति, लिंग, वर्ण, धार्मिक विश्वास, रीति-रिवाज, परम्पराएँ औद्योगिक विकास, प्रति व्यक्ति आय का स्तर आदि कारणों से भारत में अनेक प्रकार की क्षेत्रीय विभिन्नताएँ एवं विषमताएँ देखने को मिलती है।

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

19

65	+	5	=	69
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ19 के अंक		कुल अंक
65		5		69

3): विकास योजनाओ की आंशिक सफलता:-

स्वतंत्रता के पश्चात भारत मे तीव्र गति से आर्थिक विकास करने तथा क्षेत्रीय असंतुलन को समाप्त करने के लिए पंचवर्षीय योजनाएँ लागू की गई, जिसका उद्देश्य रोजगार एवं उत्पादन मे वृद्धि करना था, परंतु यथार्थ मे ऐसा नही हो सका।

4): शासन की त्रुटिपूर्ण आर्थिक नीति:-

शासन की त्रुटिपूर्ण आर्थिक नीति भी भारत मे क्षेत्रीय असंतुलन का कारण है। शासन की त्रुटिपूर्ण आर्थिक नीतियो के कारण कुछ क्षेत्रो का विकास अधिक हुआ है तो कुछ क्षेत्रो मे नही के बराबर। कुछ क्षेत्रो मे औद्योगिक विकास के लिए अधिक मात्रा मे पूंजी निवेश किया गया है, तो कुछ क्षेत्रो मे नही के बराबर।

उपर्युक्त कारण क्षेत्रीय असंतुलन के लिए उत्तरदायी है।

5 5 4

CGBSE
www.studydiscuss.in

20

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 20 के अंक	=	कुल अंक
69	+	—	=	69

उत्तर क्रमांक - [21]

राष्ट्रीय महिला आयोग के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं:-

1) भारतीय संविधान एवं कानून के अंतर्गत महिलाओ को प्राप्त अधिकारो की रक्षा करना।

2) केन्द्रीय सरकार को महिलाओ की स्थिति पर वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

3) महिलाओ की स्थिति सुधारने के लिए कार्य योजनाओ एवं संस्तुतियो को केन्द्रीय सरकार को सौंपना।

4) महिलाओ के प्रति विशेष स्थिति, क्रूरता, हिंसा आदि से संबंधित घटनाओ की जाँच-पड़ताल करना।

5) जेलो मे महिलाओ की स्थिति की ~~जाँच व~~ जाँच करना तथा सुधारात्मक उपाय बतलाना।

6) संविधान के अंतर्गत महिलाओ को प्राप्त अधिकारो

CGBSE
www.studydiscuss.in

एवं सुरक्षाओ की उल्लंघन संबंधित मामलो की जाँच करना।

उपर्युक्त कार्य राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा किया जाता है।

उत्तर क्रमांक - [22]

फासीवाद की प्रमुख पाँच विशेषताएँ निम्नलिखित है:-

1) पूँजीवाद का समर्थन :-
फासीवाद एक दर्शन है जो पूँजीवाद का ~~विरोध~~ समर्थन तथा समाजवाद का विरोध करता है, लेकिन इस बात को यह स्पष्ट रूप से स्वीकार नही करता है।

2) उग्र राष्ट्रवाद :-
फासिस्टवादी राष्ट्रवाद के पोषक थे परंतु उनकी राष्ट्रीयता संकीर्ण एवं उग्र थी। फासीवाद युद्ध एवं साम्राज्यवाद बिस्तार का समर्थक है तथा इटली के गौरव बढाने वाले प्रत्येक कार्य को फासिस्ट उचित मानते थे।

CGBSE
www.studydiscuss.in

22

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 22 के अंक	=	कुल अंक
73	+	—	=	73

CGBSE

3) राज्य की सर्वोच्च स्थिति :-

फासीवाद राज्य को सर्वोच्च स्थान प्रदान करता था। वह राज्य को सभी व्यक्तियो, संस्थाओ तथा समुदायो से ऊँचा मानता था। फासीवाद राष्ट्रीय राज्य को नैतिक जीवन का अंतिम लक्ष्य मानता था। इसके अनुसार राज्य साध्य है और व्यक्ति मात्र साधन है।

4) एक दल और एक नेता :-

फासीवाद अपने राज्य में केवल एक ही दल को मान्यता प्रदान करता था। उसके अनुसार जनता की अधिकांश जनता अशिक्षित व मूर्ख होते हैं, उनमे से कुछ ही लोगो में शासन करने की योग्यता होती है। इसके अतिरिक्त फासीवाद मे एक दल में एक व्यक्ति की सर्वोच्चता रहती थी।

5) प्रजातंत्र का विरोध :-

फासीवाद लोकतंत्र के कट्टर विरोधी एवं आलोचक था। प्रतिनिधि मूलक प्रजातंत्र मे उनकी तनिक भी आस्था नही थी। वे लोकतंत्र को धीमी, भ्रष्ट, काल्पनिक तथा अव्यावहारिक प्रणाली मानते थे तथा लोकतंत्र को ऐसी बातूनी

www.studydiscuss.in

23

73 + 5 = 78

योग पूर्व पृष्ठ 73 | पृष्ठ 23 के अंक 5 | कुल अंक 78

लोगों की दुकान समझते थे जहाँ कोई ठोस कार्य नही होता। फासीवाद लोकतंत्र को सड़ती हुई लाश समझते थे।

उपर्युक्त विवेचनों से फासीवाद के विशेषताएँ स्पष्ट है।

उत्तर क्रमांक -(23)

एक सदस्यीय निर्वाचन प्रणाली के पक्ष मे निम्नलिखित तर्क दिए जा सकते हैं:-

1) सरलतम प्रणाली :-
एक सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र बनाकर निर्वाचन करने की पद्दति सबसे सरल व बेहतर है। इस पह प्रणाली साधारण मतदाताओ के समझ मे आसानी से आ जाती है। इस प्रणाली मे प्रत्येक मतदाता को एक मत देने का अधिकार होता है, जिसे वह किसी भी प्रत्याशी के पक्ष मे दे सकता है।

2) मितव्ययिता :
एक सदस्यीय निर्वाचन प्रणाली मे निर्वाचन क्षेत्रो का आकार छोटा होने के कारण

प्रत्याशी कम समय व कम खर्चे में अपने निर्वाचन क्षेत्र के समस्त जनता से संपर्क कर सकता है तथा अपना प्रचार कर सकता है। अतः एक योग्य व्यक्ति भी चुनाव लड़कर जीत सकता है, भले ही वह निर्धन हो।

3) मतदाताओं और प्रतिनिधियों में सीधा सम्पर्क:-

इस प्रणाली में निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटे होने के कारण मतदाताओं की संख्या कम रहती है। अतः इस प्रणाली में मतदाताओं और प्रतिनिधियों में सीधा सम्पर्क रहता है क्योंकि मतदाता अपने प्रतिनिधि को तथा प्रतिनिधि अपने मतदाता को भली भाँति जानता है।

4) प्रतिनिधि का उत्तरदायित्व निश्चित:-

एक सदस्यीय निर्वाचन प्रणाली में प्रतिनिधियों का उत्तरदायित्व निश्चित होता है। प्रतिनिधि अपने उत्तरदायित्व को किसी अन्य पर टालकर उसका निर्वाह करने से इंकार नहीं करता। प्रतिनिधि अपना उत्तरदायित्व समझता है।

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

25

78 + 5 = 83

योग पूर्व पृष्ठ 78 | पृष्ठ 25 के अंक 5 | कुल अंक 83

5) स्थायी सरकार :-

एक सदस्यीय निर्वाचन प्रणाली में स्थायी सरकार का निर्माण होता है। प्रायः इस प्रणाली में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल ही चुनाव लड़ते हैं तथा उनमे से किसी एक को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हो जाता है।

5

उपर्युक्त बिन्दु एक सदस्यीय निर्वाचन प्रणाली की प्रमुख विशेषता या पक्ष मे तर्क है।

उत्तर क्रमांक - [24]

भारत - रूस संबंध :-

भारत - रूस संबंध सोवियत काल से ही मधुर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू रूस के आर्थिक विकास से बहुत ज्यादा प्रभावित थे। ख्रुश्चेव के शासनकाल मे भारत - रूस संबंधो मे आशातीत वृद्दि हुई। सन् 1955 मे भारत के प्रधानमंत्री नेहरू जी रूस की राजकीय यात्रा पर गए। सन् 1961 मे जब भारत को गोवा की मुक्ति के लिए सैनिक कार्यवाही करना पड़ा तो यह मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामने आया और भारत ने तो रूस ने भारत का

CGBSE
www.studydiscuss.in

CGBSE

पक्ष लिया। सन् 1965 व 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत को रूस से महत्वपूर्ण सहायता मिली क्योंकि उस समय अमेरिका पाकिस्तान की पीठ थपथपा रहा था। रूस ने भारत को अपना हमेशा सहयोग दिया है।

सोवियत संघ के विघटन से भारत का चिन्तित होना स्वाभाविक था, अतः पूर्व सोवियत के भाँति ही भारत-रूस से संबंध बनाए रखना चाहता था। सन् 1991 में अमेरिका के न्यूयार्क में रूस के राष्ट्रपति येल्तसिन से भारत के प्रधानमंत्री ने मुलाकात की।

सन् 1993 में रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए इससे भारत-रूस संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। सन् 1994 में भारत के प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव रूस के यात्रा पर गए।

सन् 1998 में जब भारत द्वारा परमाणु परीक्षण किया गया तो रूस ने भारत पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया।

रूस भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थाई सदस्यता का समर्थन करता है, किंतु अमेरिका का विचार ठीक इसके विपरीत है। पाकिस्तान द्वारा भारत में आतंकवादी गतिविधियाँ

27

83	+	5	=	88
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ27 के अंक		कुल अंक

का रूस तीव्र विरोध करता है।

सन् 2009 मे भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह रूस की यात्रा पर गये। वर्तमान मे नरेन्द्र मोदी ने अनेक यात्रा की है व मैत्रीपूर्ण संबंधो की स्थापना रूस की की है।

आज जितनी जरूरत रूस को भारत की है, उतनी ही रूस को भारत की है।

उपर्युक्त विवेचन से भारत रूस संबंध स्पष्ट है।

उत्तर क्रमांक - [25]

साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम निम्नलिखित है :-

1) आपसी द्वेष :-

साम्प्रदायिकता के कारण आपसी द्वेष की भावना को बल मिलता है जिससे समाज की शांति व्यवस्था भंग हो जाती है और समाज मे फ़साद एवं मार-काट की स्थिति निर्मित हो जाती है।

CGBSE

28

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ28 के अंक		कुल अंक
88	+	—	=	88

2) आर्थिक क्षति :-

साम्प्रदायिकता के कारण आर्थिक क्षति भी होती है। साम्प्रदायिक दंगो मे न जाने कितनी दूकाने लूटी जाती है, न जाने कितने राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि होती है। अयोध्या के घटनाओ के पश्चात हुए साम्प्रदायिक दंगो मे भारत की लाखो- करोड़ो की हानि हुई थी।

3) राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा :-

साम्प्रदायिक व्यक्ति केवल अपने स्वार्थो तक ही सीमित रह जाता है उसमे राष्ट्रीय हित की सोच ही नही होती है। कि अतः विभिन्न विदेशी विघटनकारी शक्तियाँ विभिन्न सम्प्रदायो की आड़ में देश मे घुसपैठ करने में सफल हो जाते है जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो जाता है।

4) राष्ट्रीय एकता के लिए बाधक :-

साम्प्रदायिकता के कारण आपसी वैमनस्यता पनपता है, जिसके कारण दंगे - फसाद आदि होते है। इन्ही कारणो से देश का विभाजन करने का प्रयास किया जाता।

CGBSE

है, जिससे जो राष्ट्रीय एकता के लिए बाधक सिद्ध होता है।

5) भ्रष्टाचार को बढ़ावा :-

उच्च पदाधिकारी एवं राजनेता सम्प्रदाय के आधार पर ही अनुचित एवं अवैधानिक कार्यवाही मे संलग्न व्यक्ति का ही पक्ष लेते है। इतना ही नही वे नौकरियो जैसी सुविधाएं सुविधाएं देने मे भी सम्प्रदाय के आधार पर विचार विमर्श करते है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

6) विकास मे बाधक :-

साम्प्रदायिकता के कारण समाज में आपसी भाई-चारे की भावना समाप्त हो जाती है तथा एक-दूसरे के प्रति भेद-भाव की भावना उत्पन्न होती है। साम्प्रदायिकता के कारण देश के विभिन्न भागो मे दंगे, युद्ध आदि होते रहते है, जिससे देश की सम्पूर्ण शांति व्यवस्था भंग हो जाती है और समस्त विकास कार्यक्रम ठप पड़ जाते है।

निष्कर्ष :-

उपर्युक्त विवेचना से साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम स्पष्ट है, जो काफी हानिकारक है।

CGBSE
www.studydiscuss.in

उत्तर क्रमांक - [26]

संयुक्त राष्ट्र महासभा के गठन:-

संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रत्येक सदस्य महासभा का सदस्य होता है। प्रत्येक सदस्य देशो को अधिक- से- अधिक पाँच सदस्यो का प्रतिनिधिमण्डल महासभा मे भेजने का अधिकार होता किंतु प्रत्येक सदस्य का एक ही वोट माना जाता है। महासभा U.N.O की विधायनी संस्था है। इसकी बैठक वर्ष में एक बार अथवा सुरक्षा परिषद् के सिफारिश पर या अधिकांश सदस्य देशो के प्रार्थना पर बुलाये जाने का प्रावधान है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के कार्य:-

संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं:-

1) अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा पर विचार:-

यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा संबंधी दायित्व सुरक्षा परिषद् को है, फिर भी महासभा इन समस्याओ पर विचार कर सकती हैं। निःशस्त्रीकरण, शस्त्रो के नियम संबंधी विषय तथा सुरक्षा परिषद् को अपना सुझाव व सिफारिश

CGBSE

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 31 के अंक	=	कुल अंक
94	+	—	=	94

संबंधी कार्य महासभा करती है।

2) बजट तैयार करना :-

संयुक्त राष्ट्र संघ के आर्थिक व्यवस्था का संचालन भी महासभा द्वारा किया जाता है। इसके लिए वह वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा (बजट) तैयारी करती है तथा इसके व्यय को सदस्य राष्ट्रों के मध्य बाँटती है।

3) नियुक्तियाँ करना :-

महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियाँ करने का अधिकार भी महासभा को है जैसे :-

1) सुरक्षा परिषद् के 10 अस्थाई सदस्य।

2) आर्थिक व सामाजिक परिषद् के 8 सदस्य।

3) सुरक्षा परिषद् की सिफारिश पर महासचिव की नियुक्ति करना।

4) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश के चयन में भाग लेना।

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

32

योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 32 के अंक	कुल अंक
94	6	100

94 – 6 – 100

4) चार्टर में संशोधन :-

संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर मे संशोधन का प्रस्ताव भी महासभा द्वारा किया जाता है और महासभा के 2/3 सदस्यो के बहुमत के आधार पर चार्टर मे संशोधन का प्रस्ताव पारित कर दिया जाता है।

6

5) अन्य कार्य :-

6

इसके अतिरिक्त महासभा संयुक्त राष्ट्र संघ के विभिन्न अंगो पर नियंत्रण रखती है तथा अंतर्राष्ट्रीय विधि के अनुसार सामाजिक व आर्थिक कल्याण को प्रोत्साहित करती है।

CGBSE

निष्कर्ष :-

6

उपर्युक्त विवेचनो से महासभा का गठन व कार्य स्पष्ट है।

www.StudiDiscuss.in

33

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 33 के अंक		कुल अंक
100	+	—	=	100

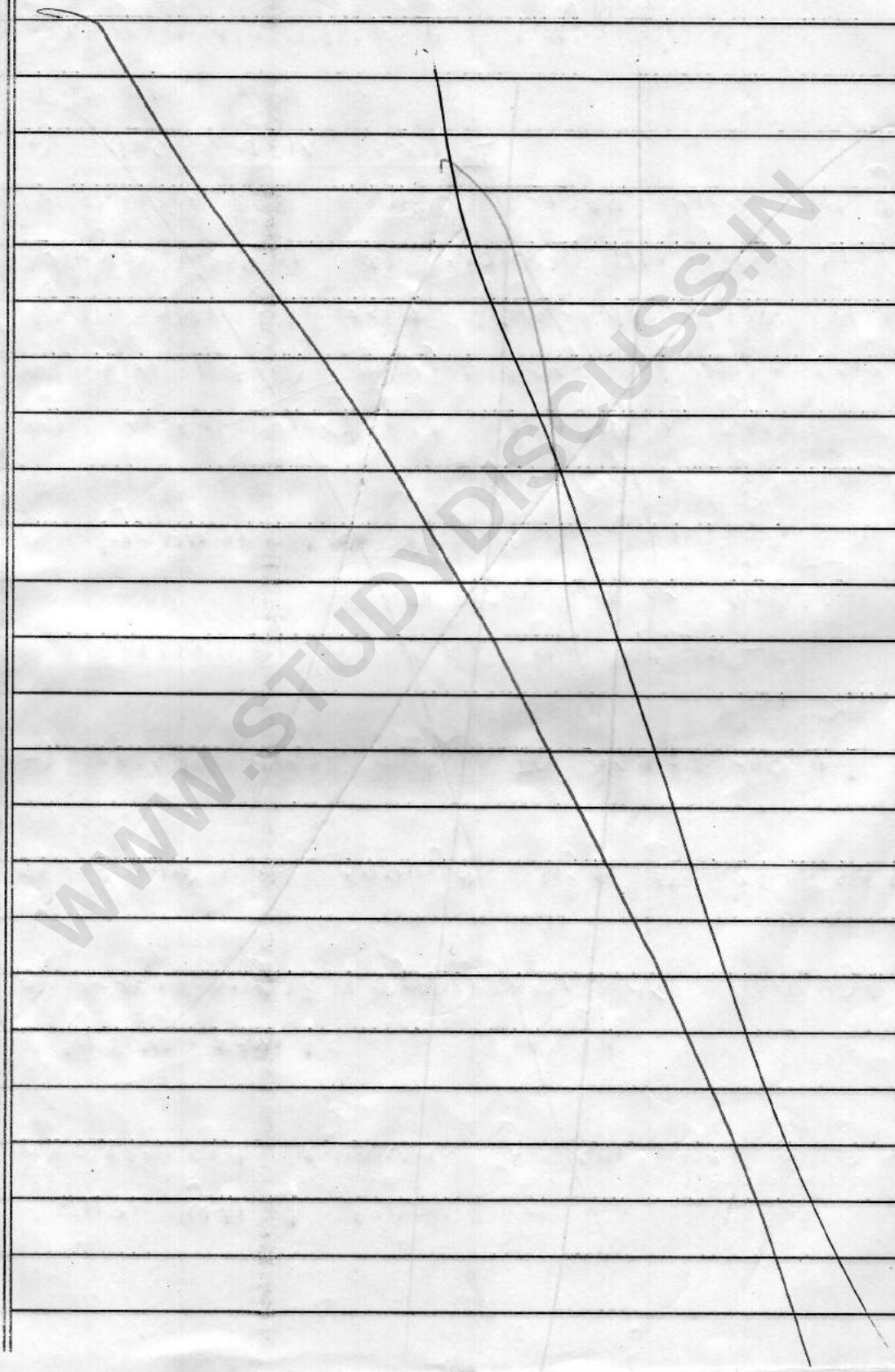

C
G
B
S
E

WWW.STUDYDISCUSS.IN

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 34 के अंक		कुल अंक
100	+	—	=	100

100 — 100

C
G
B
S
E

WWW.STUDYDISCUSS.IN

35

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 35 के अंक	=	कुल अंक
100	+	—	=	100

C G B S E

WWW.STUDYDISCUSS.IN

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 36 के अंक	=	कुल अंक
100		—		100

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 37 के अंक	=	कुल अंक
१००	+	—	=	१००

100 — 100

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN

100 + — = 100

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 38 के अंक कुल अंक

100 — 100

CGBSE

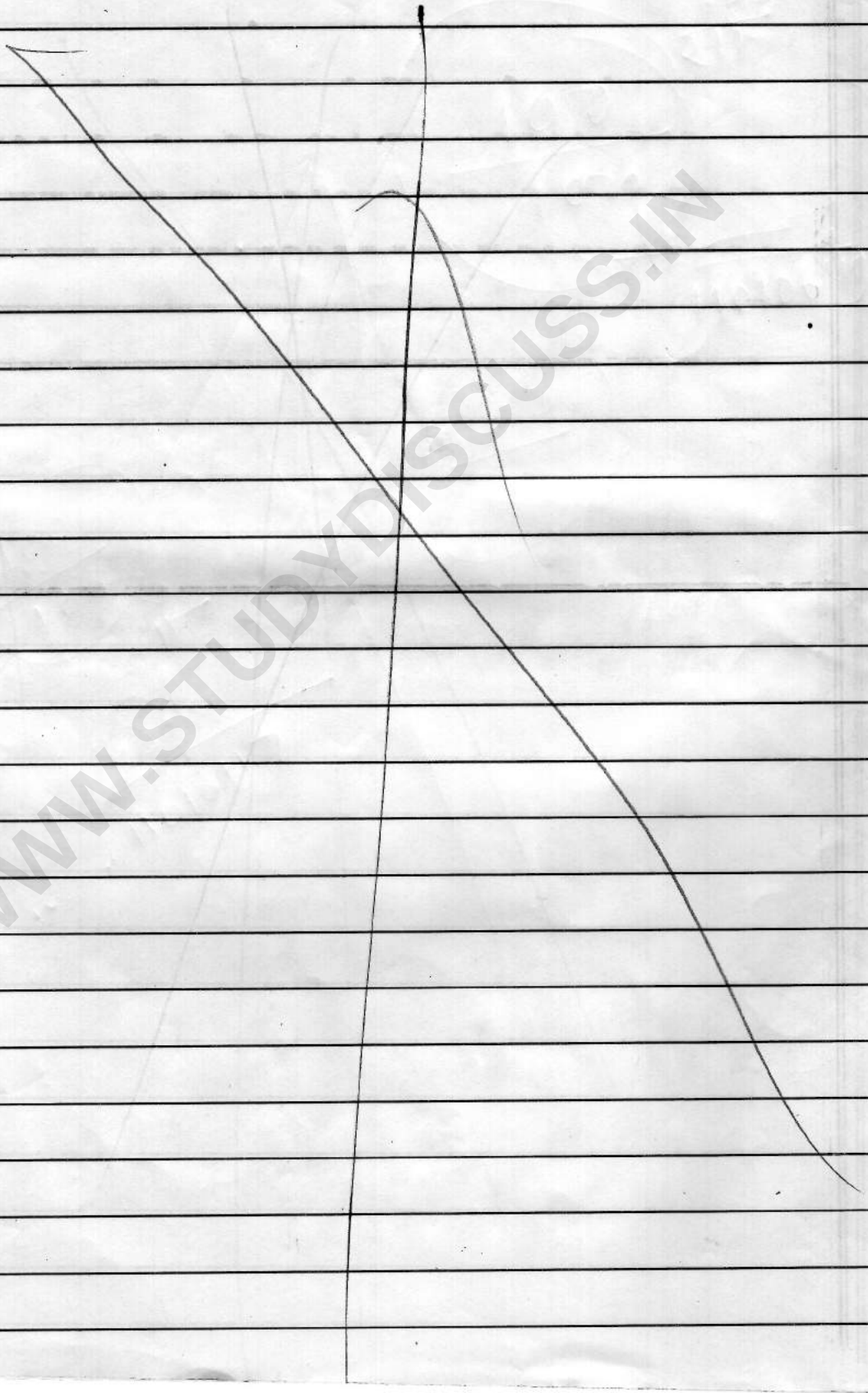

WWW.STUDYDISCUSS.IN

38 2019

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 38 के अंक		कुल अंक
100	+	—	=	100

CGBSE

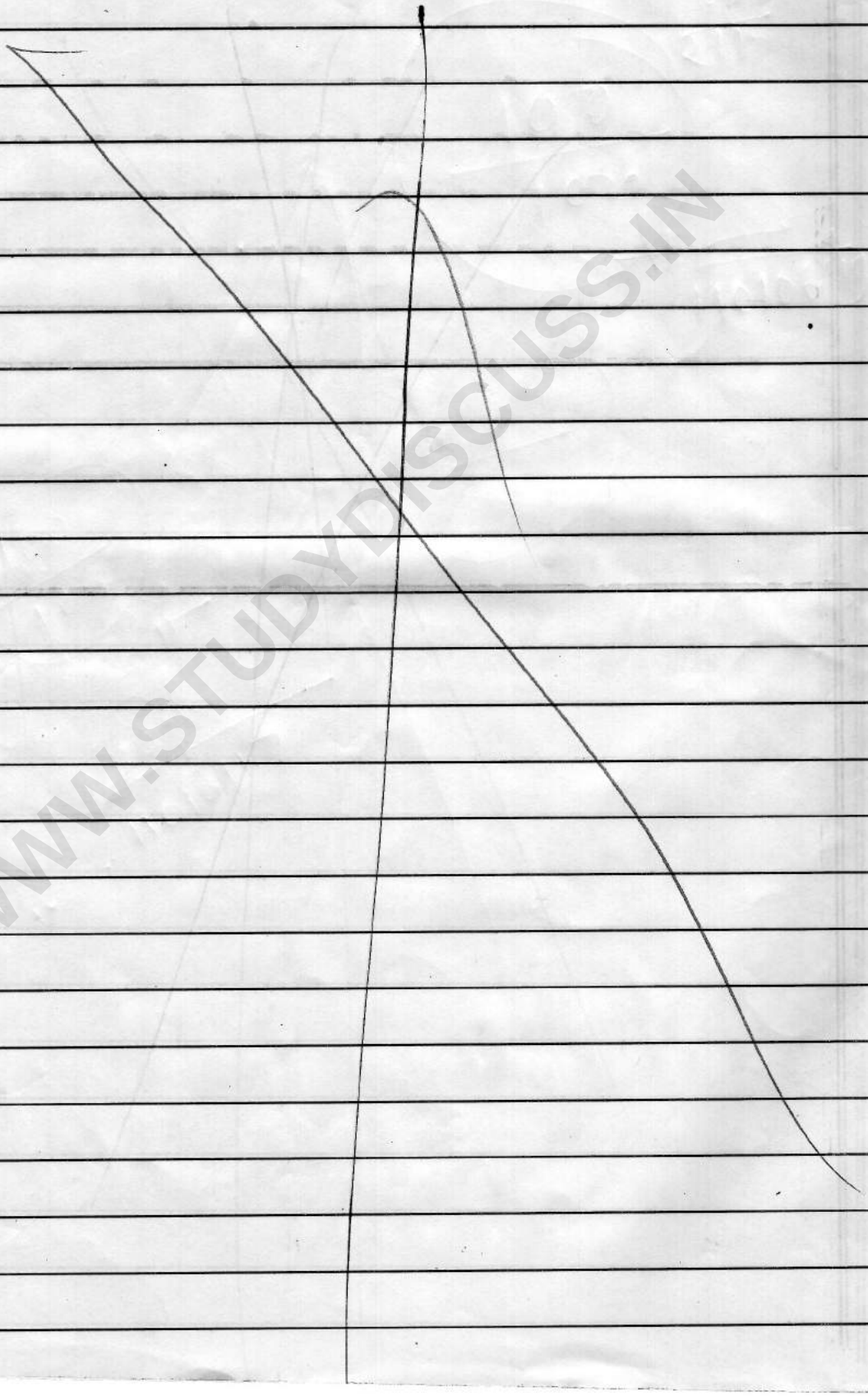

WWW.STUDYDISCUSS.IN

39

100 + — = 100

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 39 के अंक | कुल अंक

100 — 100

WWW.STUDYDISCUSS.IN

CGBSE

40

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 40 के अंक	=	कुल अंक
100	+	—	=	100

100/100

11010649

100/100

11011353

100/100

11010117

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN